TEACHERS OF BIHAR

दैनिक ज्ञानकोश

सीखें-सिखाएं, बिहार को आगे बढ़ायें

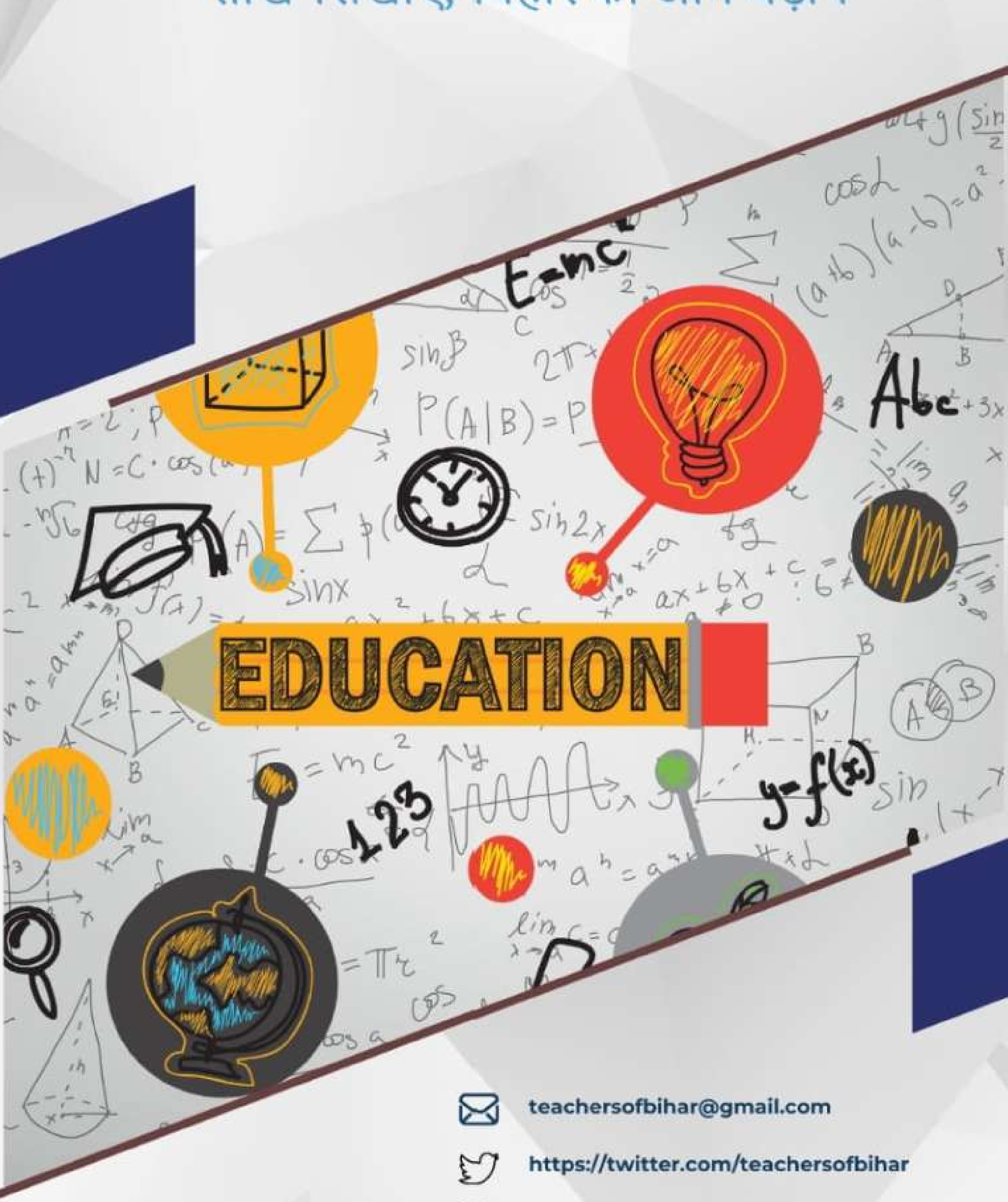

teachersofbihar@gmail.com

https://twitter.com/teachersofbihar

https://www.youtube.com/c/teachersofbihar

https://www.facebook.com/teachersofbihar

https://www.linkedin.com/company/teachersofbihar

www.teachersofbihar.org

2024

13 नवंबर 2024

Teachers of Bihar

The Change Makers

आज का सुविचार

आपका कमजोर रवैया चरित्र की

कमजोरी बन जाती है।

अल्बर्ट आइंस्टाइन

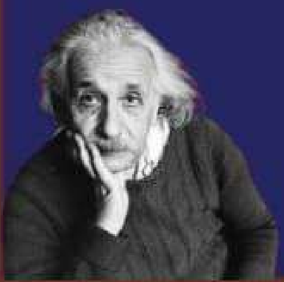

राकेश कुमार

www.teachersofbihar.org

Teachers of Bihar

The change makers

दिवस ज्ञान

शशिधर उज्जवल

13 नवम्बर

1. **महाराजा रणजीत सिंह का जन्म–** 'शेर–ए–पंजाब' के नाम से मशहूर महाराजा रणजीत सिंह का जन्म गुजरांवाला, पंजाब में 13 नवम्बर, 1780 ई. को हुआ था। रणजीत सिंह को सिख प्रशासन में महत्वपूर्ण भूमिका के लिए जाना जाता है। उन्होंने अपने शासन काल के दौरान अंग्रेजों को अपने साम्राज्य के पास फटकने भी नहीं दिया। 12 अप्रैल, 1801 ई. को उन्होंने 'महाराजा' की उपाधि धारण किया। उन्होंने अपनी राजधानी लाहौर बनाया।
2. **विश्व दयालुता दिवस–** दयालुता का अर्थ है अपने आस–पास के वातावरण के साथ अच्छा व्यवहार करना, चाहे वह मनुष्य हो या पशु–पक्षी। हमें सभी जीवों के साथ दयालुता का व्यवहार करना चाहिए। प्रतिवर्ष 13 नवम्बर को वर्ल्ड काइंडनेस डे यानी विश्व दयालुता दिवस के रूप में मनाया जाता है। इस दिवस की शुरूआत वर्ष 1998 में हुई थी।

बाढ़ के दौरान क्या करें

1. बाढ़ के दौरान मजबूत रस्सी और एक लंबी लाठी हमेशा साथ रखें।
2. चेतावनी व सुझाव के लिए रेडियो सुनें या टीवी देखें। स्थानीय अधिकारियों की चेतावनी पर ध्यान रखें।
3. अफवाह पर ध्यान ना दें और ना ही घबराएं।
4. बाढ़ के दौरान खाना ढँक कर रखें। हल्का भोजन करें एवं उबला हुआ पानी पीयें। चाय, चावल का पानी, नारियल पानी, आदि दस्त के समय सेवन करें और ओआरएस उपचार के लिए अपने नजदीकी स्वास्थ्य केंद्र से संपर्क करें।
5. अगर पानी की गहराई की जानकारी ना हो तो कभी भी पार करने की कोशिश ना करें।
6. ऐसा कोई भी खाद्य पदार्थ का सेवन ना करें जो कि बाढ़ के पानी से प्रभावित हुआ हो।
7. नल के पानी को उबालकर तब तक सेवन करें जब तक कि संबंधित विभाग द्वारा हैलोजन की गोलियां पानी में डालने के लिए उपलब्ध न करा दी गई हो।
8. बच्चों को बाढ़ के पानी के पास खेलने से रोकें।

बाढ़ के पूर्व तैयारी

1. आपातकालीन किट तैयार कर लें, जिसमें कि एक छोटा रेडियो, टॉर्च, बैटरी, मजबूत रस्सी, माचिस, मोमबत्ती, पानी, सूखा भोजन, खाद्य सामग्री आदि हो।
2. बाढ़ के पहले अपने गर्म कपड़े, जरूरी दवाएं, कीमती वस्तुएं, निजी कागज आदि को वाटर प्रूफ बैग में डालकर उन्हें आपातकालीन बॉक्स में अपने साथ रखें।
3. बाढ़ से पहले कृषि में उपयुक्त होने वाले सामान और पालतू जानवरों को ऊँची सुरक्षित जगह पर ले जाएं।

W e d n e s d a y

मधु प्रिया

विश्व दयालुता दिवस 13 नवंबर

विश्व दयालुता दिवस 13 नवंबर को मनाया जाने वाला एक अंतर्राष्ट्रीय उत्सव है । इसे 1998 में विश्व दयालुता आंदोलन, राष्ट्रों की दयालुता वाले गैर सरकारी संगठनों के गठबंधन द्वारा पेश किया गया था । यह कनाडा , ऑस्ट्रेलिया , नाइजीरिया और संयुक्त अरब अमीरात सहित कई देशों में मनाया जाता है । सिंगापुर ने पहली बार 2009 में यह दिन मनाया। इटली और भारत ने भी यह दिन मनाया। यूके में , इसका नेतृत्व डेविड जेमिली ने किया , जिन्होंने लुईस बर्फ़िट-डॉन्स के साथ काइंडनेस डे यूके की सह-स्थापना की । विश्व दयालुता दिवस हर साल 13 नवंबर को मनाया जाता है। यह एक अंतर्राष्ट्रीय अवकाश है जो अमेरिका, कनाडा,ऑस्ट्रेलिया, इटली और भारत सहित कई देशों में मनाया जाता है,लेकिन यह यहीं तक सीमित नहीं है। विश्व दयालुता दिवस समुदाय में न अच्छे कार्यों को उजागर करने के लिए है जो सकारात्मक शक्ति और भलाई के लिए दयालुता के सामान्य धागे पर ध्यान केंद्रित करता है जो हमें बांधता है। दयालुता मानवीय स्थिति का एक मूलभूत हिस्सा है जो नस्ल,धर्म,राजनीति,लिंग और स्थान के विभाजन को पाटती है। दयालुता कार्ड भी एक चालू गतिविधि है जिसे या तो दयालुता के कार्य को पहचानने के लिए पारित किया जा सकता है या फिर दयालुता का कार्य करने के लिए कहा जा सकता है। विश्व दयालुता दिवस को आधिकारिक तौर पर मान्यता देने और इसके सदस्यों द्वारा सर्वसम्मति से विश्व दयालुता के लिए समर्थन की घोषणा पर हस्ताक्षर करने के लिए शीर्ष वैश्विक निकाय,विश्व दयालुता आंदोलन द्वारा संयुक्त राष्ट्र से संपर्क किया जा रहा है । गल्फ न्यूज के अनुसार , यह एक ऐसा दिन है जो व्यक्तियों को सीमाओं,नस्ल और धर्म को नजरअंदाज करने के लिए प्रोत्साहित करता है। इस दिवस को हर वर्ष एक नए थीम के साथ मनाया जाता है। इस वर्ष के दयालुता दिवस का थीम है ' दयालुता के कार्य परिवर्तन की लहर शुरू करते हैं जो बच्चों, परिवारों और पूरे समुदायों के जीवन को बदल सकते हैं ।

जयंती विशेष 13 नवंबर

राकेश कुमार

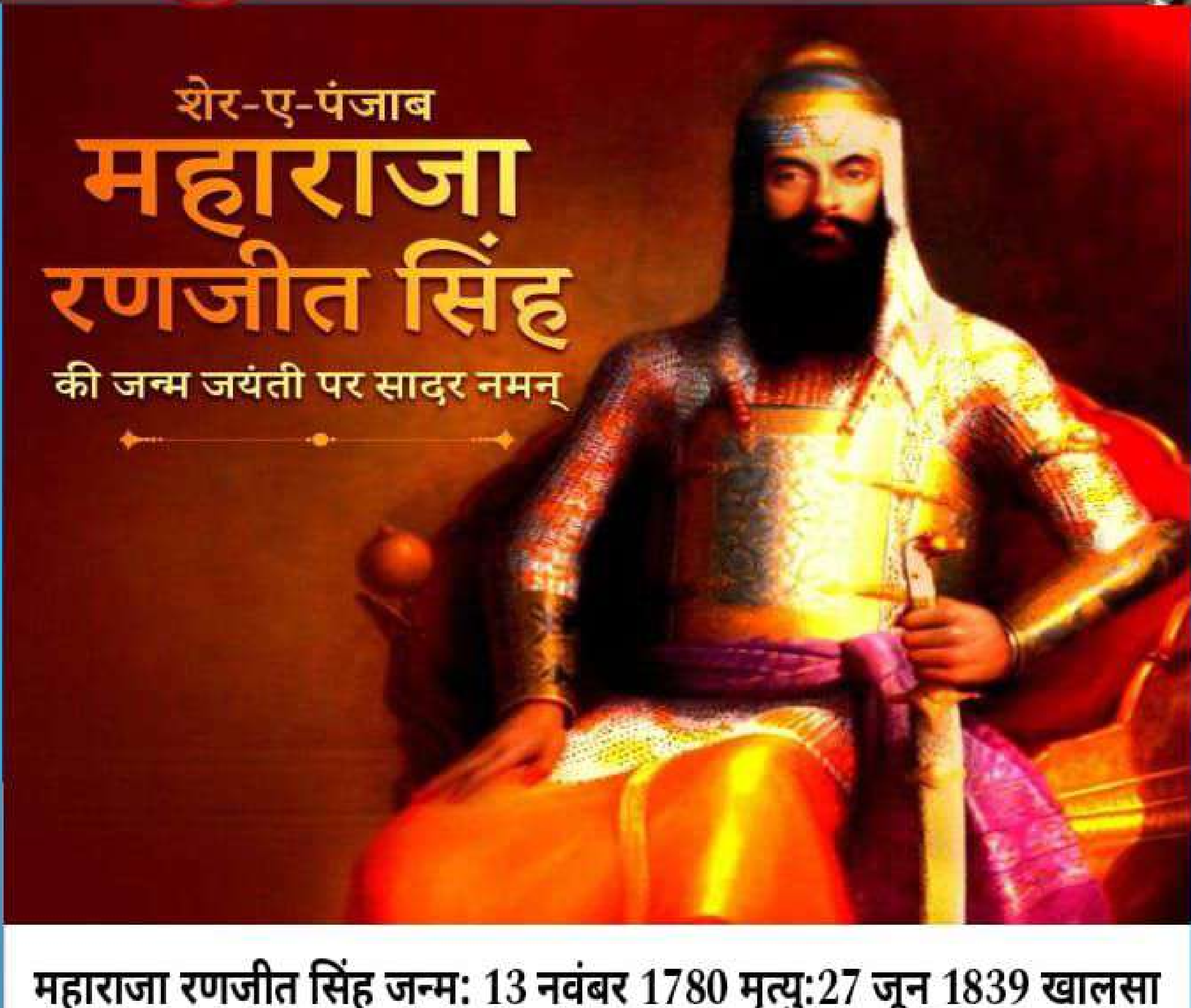

महाराजा रणजीत सिंह जन्म: 13 नवंबर 1780 मृत्यु:27 जून 1839 खालसा साम्राज्य के पहले महाराजा थे। वे शेर-ए पंजाब के नाम से प्रसिद्ध हैं। महाराजा रणजीत एक ऐसे व्यक्ति थे, जिन्होंने न केवल पंजाब को एकजुट किया, बल्कि अपने जीते-जी अंग्रेजों को अपने साम्राज्य के पास भी नहीं भटकने दिया।

राकेश कुमार

Teachers of Bihar
The Change Makers

शिक्षा शब्दकोश

आज का शब्द 13.11.2024

गत्यात्मक विकास

गत्यात्मक विकास(Gatyaatmak vikaas) किसी कार्य को बेहतर तरीके से कर पाने की क्षमता का विकास होना गत्यात्मक विकास कहलाता है। बच्चों के गत्यात्मक विकास उन्हें अधिक स्वतंत्र बनाते हैं। जिसके फलस्वरूप बच्चे अपने वातावरण को समझ पाते हैं।

रोचक तथ्य/सामान्य ज्ञान

Rakesh kumar

कन्याकुमारी भारत का एक ऐसा शहर है जहा तीन समुद्रों का संगम एकसाथ होता है।

स्रोत:
दैनिक भास्कर

TOB

राकेश कुमार

खेल कॉर्नर

टी-20 क्रिकेट

टी-20 के लगातार दो मैच में शतक लगाने वाले बल्लेबाज

प्लेयर	टीम	विपक्षी टीम	साल
संजू सैमसन	इंडिया	सा. अफ्रीका ,बांग्लादेश	2024
फिलिप सॉल्ट	इंग्लैंड	वेस्टइंडीज	2023
गुस्ताव मेकॉन	फ्रांस	स्विट्जरलैंड, नार्वे	2022
राइली रूसो	सा. अफ्रीका	बांग्लादेश, इंडिया	2022

टी-20i भारत के लिए सबसे ज्यादा विकेट

प्लेयर	मैच	विकेट	बेस्ट
युजवेंद्र चहल	80	96	6/25
भुवनेश्वर कुमार	87	90	5/4
अर्शदीप सिंह	58	89	4/9
जसप्रीत बुमराह	70	89	3/7

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS

जयंती पर नमन

महाराजा रणजीत सिंह

13 नवंबर 1780-27 जून 1839

Madhu Priya

TEACHERS OF BIHAR
THE CHANGE MAKERS
विश्व
दयालुता दिवस
13 नवंबर
www.teachersofbihar.org
Madhu priya

बिहार सरकार

शिक्षा विभाग

उन्मुखीकरण कार्यक्रम

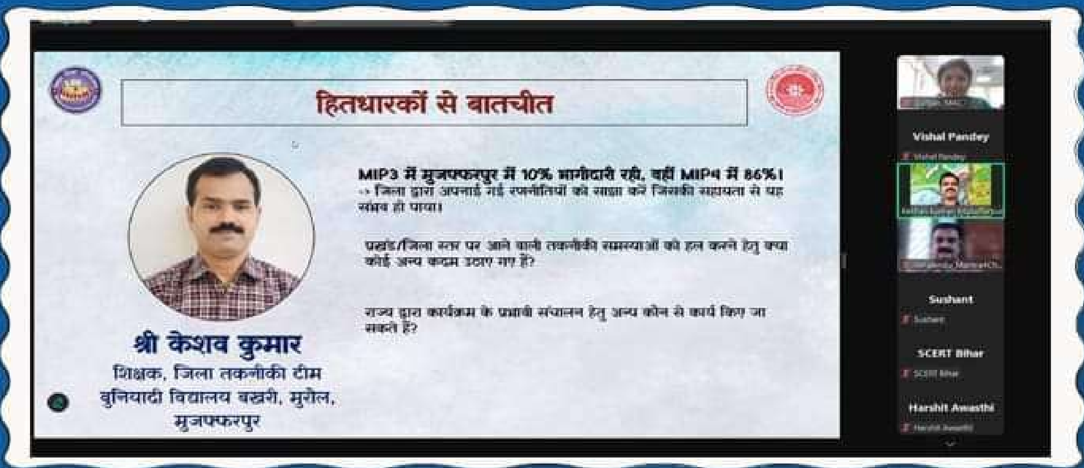

@EducationDepartmentBihar @BiharEducation_ @bihar_education_dept @IPRDBihar

बिहार सरकार

शिक्षा विभाग

उन्मुखीकरण कार्यक्रम

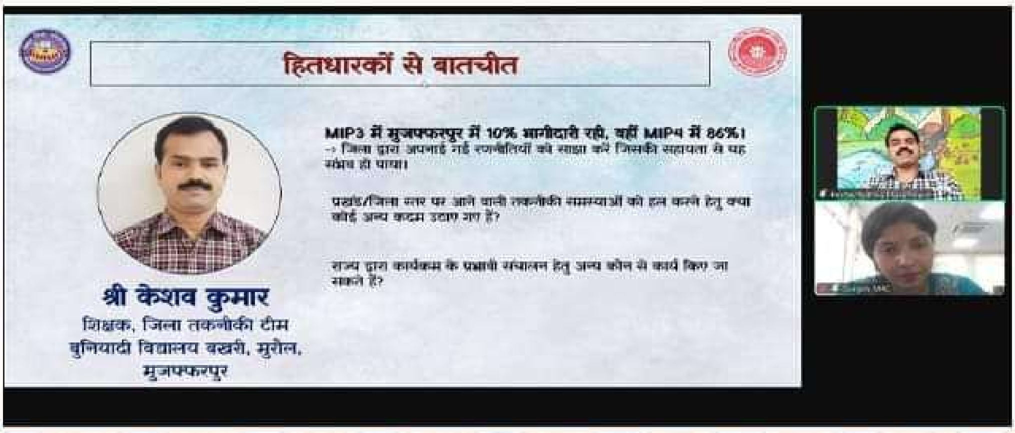

@EducationDepartmentBihar @BiharEducation_ @bihar_education_dept @IPRDBihar